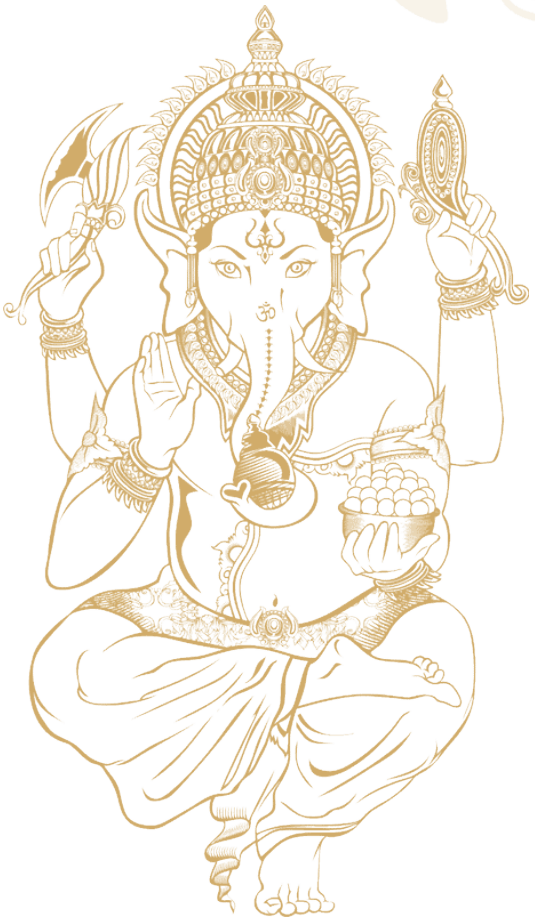

Bhawna Gaur

19 Jul 2005

12:05 PM

Gohana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120978104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/07/2005**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:05:00 घंटे**
इष्ट	16:11:39 घटी
स्थान	**Gohana**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:06:00 उत्तर
रेखांश	76:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:41:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:17 घंटे
साम्पातिक काल	07:30:30 घंटे
सूर्योदय	05:36:20 घंटे
सूर्यास्त	19:22:06 घंटे
दिनमान	13:45:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:45:47 कर्क
लग्न के अंश	25:52:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	25:52:17	314:04:50	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
सूर्य			कर्क	02:45:47	00:57:14	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	01:49:46	14:47:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	00:41:30	00:36:58	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध			कर्क	25:56:11	00:18:26	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	17:43:03	00:07:02	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	01:31:39	01:12:20	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	06:25:18	00:07:45	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	23:28:45	00:08:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	23:28:45	00:08:56	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	16:22:47	00:01:31	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	22:48:39	00:01:30	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	28:23:21	00:01:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मिथु	26:59:33	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:00

लग्न-चलित

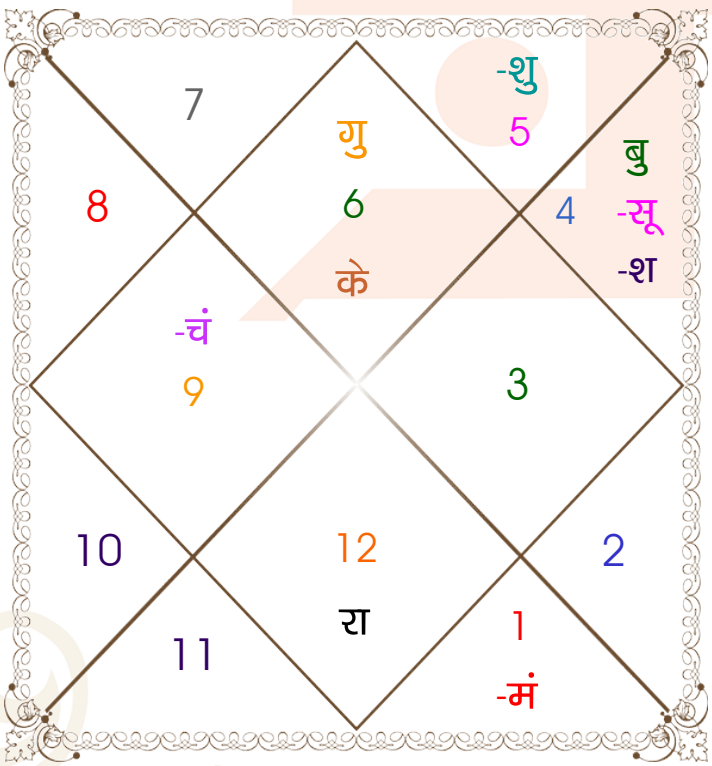

चन्द्र कुंडली

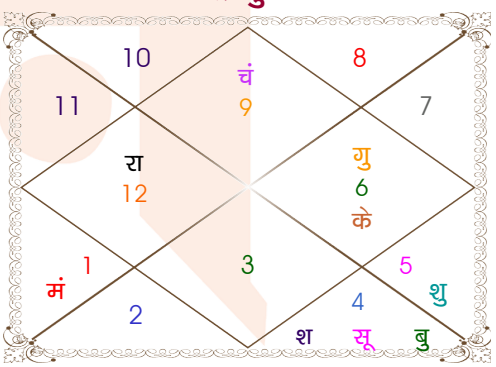

नवमांश कुंडली

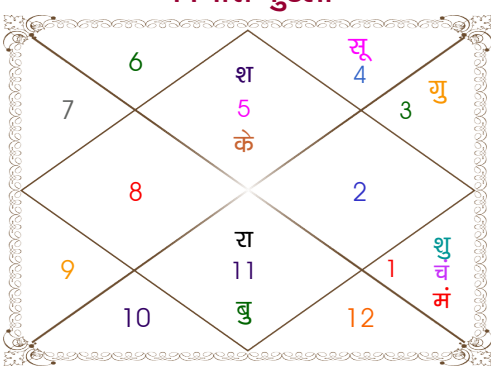

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/07/2005		03/08/2011		03/08/2031		02/08/2037		03/08/2047	
03/08/2011		03/08/2031		02/08/2037		03/08/2047		03/08/2054	
	19/07/2005	शुक्र	02/12/2014	सूर्य	20/11/2031	चंद्र	03/06/2038	मंगल	30/12/2047
शुक्र	28/02/2006	सूर्य	03/12/2015	चंद्र	21/05/2032	मंगल	02/01/2039	राहु	17/01/2049
सूर्य	06/07/2006	चंद्र	02/08/2017	मंगल	26/09/2032	राहु	03/07/2040	गुरु	23/12/2049
चंद्र	04/02/2007	मंगल	03/10/2018	राहु	21/08/2033	गुरु	02/11/2041	शनि	01/02/2051
मंगल	03/07/2007	राहु	02/10/2021	गुरु	09/06/2034	शनि	03/06/2043	बुध	30/01/2052
राहु	21/07/2008	गुरु	02/06/2024	शनि	22/05/2035	बुध	01/11/2044	केतु	27/06/2052
गुरु	27/06/2009	शनि	03/08/2027	बुध	27/03/2036	केतु	03/06/2045	शुक्र	27/08/2053
शनि	06/08/2010	बुध	03/06/2030	केतु	02/08/2036	शुक्र	01/02/2047	सूर्य	02/01/2054
बुध	03/08/2011	केतु	03/08/2031	शुक्र	02/08/2037	सूर्य	03/08/2047	चंद्र	03/08/2054

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/08/2054		02/08/2072		02/08/2088		04/08/2107		03/08/2124	
02/08/2072		02/08/2088		04/08/2107		03/08/2124		00/00/0000	
राहु	15/04/2057	गुरु	20/09/2074	शनि	06/08/2091	बुध	31/12/2109	केतु	30/12/2124
गुरु	08/09/2059	शनि	03/04/2077	बुध	15/04/2094	केतु	28/12/2110	शुक्र	20/07/2125
शनि	15/07/2062	बुध	10/07/2079	केतु	25/05/2095	शुक्र	28/10/2113		00/00/0000
बुध	01/02/2065	केतु	14/06/2080	शुक्र	25/07/2098	सूर्य	03/09/2114		00/00/0000
केतु	19/02/2066	शुक्र	13/02/2083	सूर्य	07/07/2099	चंद्र	03/02/2116		00/00/0000
शुक्र	19/02/2069	सूर्य	03/12/2083	चंद्र	05/02/2101	मंगल	30/01/2117		00/00/0000
सूर्य	14/01/2070	चंद्र	03/04/2085	मंगल	17/03/2102	राहु	19/08/2119		00/00/0000
चंद्र	16/07/2071	मंगल	10/03/2086	राहु	21/01/2105	गुरु	24/11/2121		00/00/0000
मंगल	02/08/2072	राहु	02/08/2088	गुरु	04/08/2107	शनि	03/08/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगी। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगी।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगी। आप अपने पति के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगी। आप व्यवहार कुशल महिला है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगी। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहती हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करती हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगी। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगी। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करती हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं।

आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखती हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगी। जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उनकी सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगी।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगी। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाली चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगी। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगी। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पति एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की

प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें। आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मूत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकती है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।